UP Board Notes Class 7 Sanskrit chapter 15
संस्कृतम्

शब्दार्थाः – भारतीयैकता-साधकम् = भारतीय एकता को सिद्ध करने वाला, भारतीयत्वे-सम्पादकम् = भारतीयता की भावना का सम्पोषक, ज्ञानपुञ्जप्रभादर्शकम् = ज्ञान-समूह के प्रकाश को दिखलाने वाला, आनन्दसन्दोहदम् = आनन्द समूह को देने वाला, सर्वभूतैकता = सभी प्राणियों के प्रति ऐक्यभावना, सर्वतः = चारों ओर.शान्तिसंस्थापकम् = शान्ति की स्थापना करने वाला, पञ्चशीलप्रतिष्ठापकम् = पंचशील के सिद्धान्तों की प्रतिष्ठा करने वाला, त्यागसन्तोषसेवाव्रतम् = त्याग, सन्तोष और सेवा जिसका व्रत है। विश्वकल्याणनिष्ठायुतम् = विश्व की भलाई की निष्ठा से युक्त, भुक्तिमुक्तिद्वयोभावनम् = भोग और मोक्ष दोनों की उद्भावना (उत्पत्ति) करने वाला, सदने = घर में, चिरम् = बहुत समय तक (सदा), कल्याणी = कल्याण करने वाली।

भारतीयैकता ..... संस्कृतम् ।।1।।

हिन्दी अनुवाद – संस्कृत भारतीय एकता सिद्ध करने वाली है; भारतीयता की भावना का पोषण करने वाली है; ज्ञान समूह का प्रकाश दिखाने वाली है तथा आनन्द देने वाली है।

विश्वबन्धुत्व ..... संस्कृतम् ।।2।।

हिन्दी अनुवाद – संस्कृत विश्व बन्धुत्व बढ़ाने वाली, सब में एकता लाने वाली, हर ओर शान्ति स्थापित करने वाली एवं पंचशील के सिद्धान्तों की प्रतिष्ठा करने वाली है।।

त्याग ..... संस्कृतम् ।।3।।

हिन्दी अनुवाद – संस्कृत त्याग, सन्तोष, सेवा का व्रत वाली है; विश्व की भलाई की निष्ठा से युक्त है; ज्ञान-विज्ञान का सम्मेलन तथा योग एवं मोक्ष की उत्पत्ति करने वाली है।।

नगरे ..... कल्याणी।4।।

हिन्दी अनुवाद – नगर-नगर और गाँव-गाँव में फैले संस्कृतवाणी हर एक घर में और जन-जन में । बसे सदा कल्याणी ।

https://www.evidyarthi.in/